ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

दादी प्रकाशमणि जी की विशेषतायें

किसी के अवगुण को चित पर नहीं रखा, सदा गुणग्राही

दादी सदा कहती बाबा ने मुझे ड्युटी दी है कि तुम्हें मेरे सब बच्चों को सम्भालना है। तो मैं समझती हूँ बाबा ने जब मुझे यह ड्युटी दी है तो सम्भालने के साथ-साथ मुझे सबके साथ चलना भी है, चलाना भी है। मुझे सबके साथ निभाना भी है, मुझे सबका समाना भी है। मैं कभी यह नहीं कह सकती कि यह फलानी या फलाना ऐसा ही है, इसे छोड़ दो.. छोड़ेंगे तो कहाँ जायेगा! न मुझे किसी को छोड़ना है, न किसी से दूर होना है। बाबा का बना है तो उसे हमें सम्भालना है। चलाना है। मैं किसी की खामी को बुद्धि में रखकर नहीं चलाती। मैं यह मंत्र सदा याद रखती हूँ कि किसी का अवगुण चित पर न धरो.. अवगुण चित पर धरने से वैसी ही वृत्ति और व्यवहार हो जाता है।

बाबा के हर बच्चे में कोई न कोई विशेष गुण है,
इसलिए दादी जी सदा गुणग्राही बनकर रही।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय: पांडव भवन, राजस्थान (भारत)

आज का सुगन्धित पुष्प

Fragrant Flower For Today

आपकी श्रेष्ठ वृत्ति से विश्व का वातावरण परिवर्तन हो रहा है।

आप विश्व परिवर्तक हो। 😊

The atmosphere of the world is changing with your elevated attitude.

You are a world-transformer! 😊

19th July 1972

1) संगठन का महत्व तथा संगठन द्वारा सर्टीफिकेट

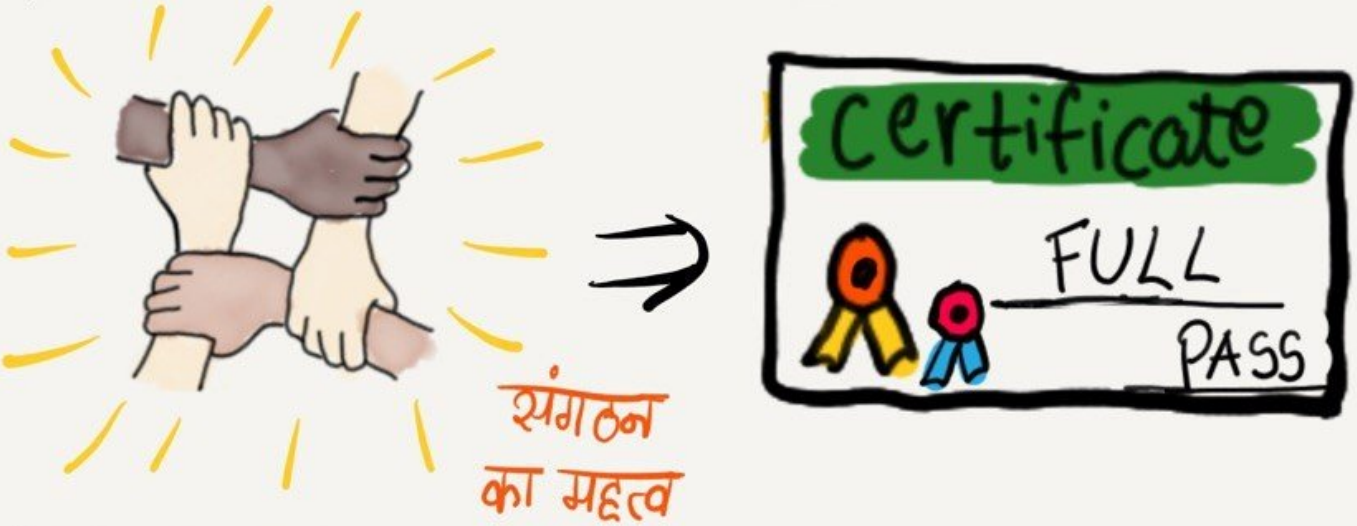

2) सभी देखने वाले, आने वाले, सुनने वाले क्या वर्णन करते कि यहाँ एक-एक आत्मा का उठना, बोलना, चलना सभी एक जैसा है - यही विशेषता गायन करते हैं।

3) अनेक स्थान (सेन्टर्स) होते हुए भी सभी एक हो। सभी बेहद बुद्धि वाले हो, बेहद के मालिक और फिर बालक। सिर्फ मालिक नहीं बनना है। बालक सो मालिक, मालिक सो बालक।

बाप सारे दिन क्या करते हैं?

यह तो मालूम है ना कि सबसे मुख्य अनुभव करने व सुनने का दृश्य किस समय होता है? विशेष बच्चों के प्रति अमृतवेले का समय ही निश्चित है। फिर तो, विश्व की अन्य आत्माओं के प्रति, यथा-शक्ति भावना का फल व कोई भी रजोप्रधान कर्म, अल्पकाल के लिए जिन आत्माओं द्वारा होते रहते हैं उनको भी उनके कर्मों के अनुसार अल्पकाल के लिये फल देने के प्रति, साथ-साथ सच्चे भक्तों की पुकार सुनने और भक्तों की भिन्न-भिन्न प्रकार की भावना के अनुसार साक्षात्कार कराने और अब तक भी चारों ओर कल्प पहले वाले छुपे हुए ब्राह्मण आत्माओं को सन्देश पहुंचाने के लिए, बच्चों को निमित्त बनाने के कार्य में, पुरानी दुनिया को समाप्त कराने-अर्थ निमित्त बने हुए, वैज्ञानिकों की देख-रेख करने, ज्ञानी तू आत्मा, स्नेही व सहयोगी बच्चों को, सारे दिन के अन्दर ईश्वरीय सेवा का कार्य करने व मायाजीत बनने में 'हिम्मते बच्चे, मददे बाप' के नियम के अनुसार, उनको भी मदद देने के कर्त्तव्य में, ड्रामानुसार निमित्त बने हैं। अब समझा कि बाप सारे दिन क्या करते हैं?

Avyakt Murli 30.06.74

Brahma Kumaris
World Spiritual University
तीव्र पुरूषार्थी ग्रुप +91 8950812512

अव्यक्त शिक्षाएँ

बापदादा सभी स्थानों को विशेष महत्व देते हैं। ऐसे नहीं एक स्थान महत्व वाला है, दूसरा कम है। नहीं। जिस भी धरनी पर बच्चे पहुँचे हैं उससे कोई न कोई विशेष रिजल्ट अवश्य निकलनी है। फिर चाहे कोई की जल्दी दिखाई देती, कोई की समय पर दिखाई देगी। लेकिन विशेषता सब तरफ की है। कितने अच्छे-अच्छे रत्न निकले हैं। ऐसे नहीं समझना कि हम तो साधारण हैं। सब विशेष हो। अगर कोई विशेष न होता तो बाप के पास नहीं पहुँचता। विशेषता है लेकिन कोई विशेषता को सेवा में लगाते हैं, कोई सेवा में लगाने के लिए अभी तैयार हो रहे हैं, बाकी हैं सब विशेष आत्मायें। सब महारथी महावीर हो।

अ.बापदादा-16.03.86

My status
Sending...

जीवन
एक यात्रा
है:
अतिरिक्त
से
विरक्त
की ओर।

0

Invaluable teachings received from Dadi Prakashmaniji

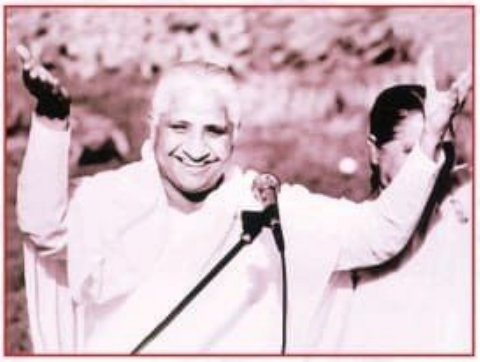

. Never allow your head to be heated in questions such as "Why?" or "What?" Let your head always be cool. Become yogis who have cool bodies. Even if someone has dug a pit for you, if you are honest and you have good wishes for everyone, then Baba will protect you. Never allow impure feelings inside yourself. Do not become Durvasa who curses everyone. Raj yogis can never become like Durvasa (one who cursed others).

Baba's shrimat is: Children, you have to live like sugar and milk. Never become like salty water even in your dreams. If someone becomes like salty water, they cannot be called Brahma Kumars or Kumaris. My duty is to be like sugar and milk. If I have any saltiness, then others will sprinkle salt over me. To always be like sugar and milk means to stay in unity. To leave the study means to become handicapped.

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org